HINDUSTAN, Delhi, 15.2.2018
Page No. 12, Size:(16.88)cms X (8.48)cms.

12 करोड़ लोग फर्जी कार्ड पर खाद्यान्न ले रहे थे

खुलासा

नई दिल्ली | सुहेल हामिद

किसी जिले में 12 लाख लोग फर्जी राशन कार्ड पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत सब्सिडी पर खाद्यान्न ले सकते हैं। सुनने में यह आंकड़ा काफी बड़ा है लेकिन हकीकत है।

पश्चिम बंगाल में हर जिले में करीब दो लाख 88 हजार राशनकार्ड फर्जी पाए गए हैं। एक परिवार में करीब चार व्यक्ति होते हैं। ऐसे में बंगाल के हर जिले में यह आंकड़ा करीब 12 लाख होता है। आधार कार्ड से लिंक करने के बाद खाद्य मंत्रालय ने पिछले तीन वर्षों में दो करोड़ 75 लाख, 59 हजार 760 राशन कार्ड रद्द किए हैं। यानी, देशभर में करीब 12 करोड़ लोग पीडीएस योजना का लाभार्थी नहीं होने के बावजूद इसका लाभ ले रहे थे। इन राशनकार्ड को रद्द करने से सरकार को पिछले तीन वर्षों में खाद्य सब्सिडी पर 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। खाद्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में हर जिले में करीब दो लाख 87 हजार फर्जी राशनकार्ड मिले। यह आंकड़ा देश में सबसे अधिक है। इसके बाद कर्नाटक में हर जिले में करीब 91 हजार फर्जी या अवैध राशनकार्ड मिले। इसके बाद उत्तर प्रदेश का नंबर आता है। यूपी में कुल 68 लाख 81 हजार फर्जी राशनकार्ड रद्द किए गए। इन्हें प्रदेश के सभी जिलों में बांट दिया जाए तो हर जिले में करीब 87 हजार फर्जी राशनकार्ड रद्द किए गए। बिहार में आधार से लिंक कर फर्जी राशनकार्ड रद्द करने की रफ्तार बेहद धीमी है। पिछले तीन वर्षों में बिहार में सिर्फ 41,369 राशनकार्ड रद्द किए गए।

कुल 24 करोड़ राशनकार्ड

देश में इस वक्त कुल 24 करोड़ राशनकार्ड हैं। पिछले तीन वर्षों में दो करोड़ 75 लाख फर्जी या डुप्लीकेट राशनकार्ड को रद्द किया गया है। फर्जी राशनकार्ड के रद्द होने से करीब 12 करोड़ असली लाभार्थियों को लाभ मिला है।

कहां कितने राशन कार्ड रद्द हुए

यूपी में कुल	पश्चिम बंगाल	दिल्ली में	बिहार में	झारखंड में
68,80,999	66,13,961	64,090	41,369	4,53,958